

उत्तराखण्ड शासन
औद्योगिक विकास अनुभाग-1
संख्या : 1175/02/473-उद्योग/2002
देहरादून, दिनांक, 14 मार्च, 2008

अधिसूचना

प्रकीर्ण

“भारत का संविधान” के अनुच्छेद 309 के परन्तुक द्वारा प्रदत्त शक्ति का प्रयोग करके और इस विषय पर समस्त विद्यमान नियमों और आदेशों का अतिक्रमण करके राज्यपाल, उत्तराखण्ड उद्योग विभाग अधीनस्थ सेवा में भर्ती और उसमें नियुक्त व्यक्तियों की सेवा की शर्तों को विनियमित करने के लिये, निम्नलिखित नियमावली बनाते हैं :-

उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा (उद्योग विभाग) नियमावली, 2008

भाग एक— सामान्य

- | | | |
|---------------------------|----|---|
| संक्षिप्त नाम और प्रारम्भ | 1— | (1) इस नियमावली का संक्षिप्त नाम “ <u>उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा (उद्योग विभाग) नियमावली, 2008</u> ” है।
(2) यह तुरन्त प्रवृत्त होगी। |
| सेवा की प्राप्ति | 2— | उत्तराखण्ड अधीनस्थ सेवा (उद्योग विभाग) एक अधीनस्थ सेवा है, जिसमें समूह “ग” के पद समाविष्ट हैं। |
| परिभाषाएँ | 3— | जब तक विषय या सन्दर्भ में कोई बात प्रतिकूल न हो, इस नियमावली में :-
(क) “नियुक्ति प्राधिकारी” से परिशिष्ट “क” के स्तम्भ 10 में प्रत्येक पद के सामने इस रूप में उल्लिखित अधिकारी अभिप्रेत है ;
(ख) “भारत का नागरिक” से ऐसे व्यक्ति अभिप्रेत है, जो संविधान के भाग दो के अधीन भारत का नागरिक है या समझा जाय ;
(ग) “संविधान” से “भारत का संविधान” अभिप्रेत है ;
(घ) “निदेशक” से निदेशक उद्योग, उत्तराखण्ड अभिप्रेत है ;
(ङ) “सरकार” से उत्तराखण्ड की राज्य सरकार अभिप्रेत है ;
(च) “राज्यपाल” से उत्तराखण्ड के राज्यपाल अभिप्रेत है ;
(छ) “सेवा का सदस्य ” से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर इस नियमावली के या इस नियमावली के प्रारम्भ होने के पूर्व प्रवृत्त नियमों या आदेशों के उपबन्धों के अधीन मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्ति अभिप्रेत है ;
(ज) “सेवा” से उद्योग विभाग अधीनस्थ सेवा अभिप्रेत है ;
(झ) “मौलिक नियुक्ति” से सेवा के संवर्ग में किसी पद पर ऐसी नियुक्ति अभिप्रेत है जो तदर्थ नियुक्ति न हो और नियमों के अनुसार चयन के पश्चात की गयी हो, और, यदि |

कोई नियम न हो तो सरकार द्वारा जारी किये गये कार्यपालक अनुदेशों के द्वारा तत्समय विहित प्रक्रिया के अनुसार चयन के पश्चात की गई हो ;

(ज) "भर्ती का वर्ष" से किसी कलैण्डर वर्ष की पहली जुलाई से प्रारम्भ होने वाली बारह मास की अवधि अभिप्रेत है ;

(ट) "अपर निदेशक" से अपर निदेशक उद्योग मुख्यालय अभिप्रेत है ।

(ठ) "संयुक्त निदेशक" से संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक) अभिप्रेत है ।

भाग — दो —संवर्ग

सेवा की सदस्य संख्या

4—

(1) सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जितनी सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय ।

(2) जब तक कि उपनियम (1) के अधीन परिवर्तन करने के आदेश न दिये जाय, सेवा की सदस्य संख्या और उसमें प्रत्येक श्रेणी के पदों की संख्या उतनी होगी जितनी परिशिष्ट "क" के स्तम्भ 5, 6 एवं 7 में दी गई है:—

परन्तु—

(एक) नियुक्ति अधिकारी किसी रिक्त पद को बिना भरे हुए छोड़ सकते हैं या राज्यपाल उसे आस्थगित रख सकते हैं, जिससे कोई व्यक्ति प्रतिकर का हकदार न होगा ;

(दो) राज्यपाल ऐसे अतिरिक्त स्थायी या अस्थायी पदों का सृजन कर सकते हैं, जिन्हें वह उचित समझें ।

भाग तीन —भर्ती

भर्ती का श्रोत

5—

सेवा के विभिन्न श्रेणी के पदों पर भर्ती, परिशिष्ट "क" के स्तम्भ 8 में प्रत्येक पद के सामने दर्शाये गये श्रोतों से की जायेगी ।

आरक्षण

6—

उत्तराखण्ड राज्य की अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षण, भर्ती के समय प्रवृत्त सरकार के आदेशों के अनुसार किया जायेगा ।

भाग चार— अर्हतायें

राष्ट्रीयता

7—

सेवा में किसी पद पर सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी —

(क) भारत का नागरिक हो ; या

(ख) तिब्बती शरणार्थी हो, जो भारत में स्थायी रूप से निवास करने के अभिप्राय से 1 जनवरी, 1962 के पूर्व भारत आया हो ; या

(ग) भारतीय मूल का ऐसा व्यक्ति हो, जिसने भारत में स्थायी रूप से निवास करने के अभिप्राय से पाकिस्तान, वर्मा (म्यांमार), श्रीलंका या किसी पूर्वी अफ्रिकी देश केन्या,



युगाण्डा और यूनाईटेड रिपब्लिक आफ तन्जानिया (पूर्ववर्ती तांगानिका और जंजीबार) से प्रवजन किया हो ;

परन्तु उक्त श्रेणी (ख) और (ग) से सम्बन्धित अभ्यर्थी ऐसा व्यक्ति होगा जिसके पक्ष में राज्य सरकार द्वारा पात्रता का प्रमाण पत्र जारी किया गया हो।

परन्तु यह और कि उपर्युक्त श्रेणी (ख) के अभ्यर्थी से यह भी अपेक्षा की जायेगी कि वह पुलिस उप महानिरीक्षक, अभिसूचना शाखा, उत्तराखण्ड से पात्रता का प्रमाण प्राप्त कर ले ;

परन्तु यह भी कि यदि कोई अभ्यर्थी उपर्युक्त श्रेणी (ग) का हो तो पात्रता का प्रमाण-पत्र एक वर्ष से अधिक अवधि के लिए जारी नहीं किया जायेगा और ऐसे अभ्यर्थी को एक वर्ष की अवधि के आगे सेवा में इस शर्त पर रहने दिया जायेगा कि वह भारत की नागरिकता प्राप्त कर ले।

टिप्पणी :- ऐसे अभ्यर्थी को, जिसके मामले में पात्रता का प्रमाण-पत्र आवश्यक हो, किन्तु न तो वह जारी किया गया हो और न देने से इन्कार किया गया हो, किसी परीक्षा में सम्मिलित किया जा सकता है और उसे इस शर्त पर अनन्तिम रूप से नियुक्त भी किया जा सकता है कि आवश्यक प्रमाण-पत्र उसके द्वारा प्राप्त कर लिया जाये या उसके पक्ष में जारी कर दिया जाये।

शैक्षिक अर्हतायें

8- सेवा में विभिन्न पदों पर सीधी भर्ती के लिये यह आवश्यक है कि अभ्यर्थी के पास परिशिष्ट "क" के स्तम्भ 9 में प्रत्येक पद के सामने दर्शायी गयी अर्हता और अनुभव हो।

अधिमानी अर्हतायें

9- अन्य बातों के समान होने पर सीधी भर्ती के मामले में ऐसे अभ्यर्थी को अधिमान दिया जायेगा, जिसने -

(एक) नियम 8 में दिये गये विवरण के अनुसार व्यवहारिक अनुभव, प्राप्त किया हो, या

(दो) प्रादेशिक सेना में दो वर्ष की न्यूनतम अवधि तक सेवा की हो, या

(तीन) राष्ट्रीय कैडेट कोर का "बी" प्रमाण-पत्र प्राप्त किया हो।

आयु

10- सीधी भर्ती के पदों जिनकी न्यूनतम शैक्षिक अर्हता इंटरमीडिएट अथवा समकक्ष है, की भर्ती हेतु न्यूनतम आयु सीमा 18 वर्ष तथा ऐसे पदों जिनकी न्यूनतम शैक्षिक अर्हता स्नातक अथवा समकक्ष है, की भर्ती हेतु न्यूनतम आयु सीमा 21 वर्ष होगी तथा अधिकतम आयु सीमा 35 वर्ष होगी ;

परन्तु अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और ऐसे अन्य श्रेणियों के जो सरकार द्वारा समय-समय पर अधिसूचित की जायें, अभ्यर्थी की दशा में उच्चतर आयु सीमा उतने वर्ष अधिक होगी, जितनी विनिर्दिष्ट की जाये।

चरित्र

11- सेवा में सीधी भर्ती के लिये अभ्यर्थी का चरित्र ऐसा होना चाहिए कि वह सरकारी सेवा में नियोजन के लिए सभी प्रकार से उपयुक्त हो। नियुक्ति प्राधिकारी इस सम्बन्ध में अपना समाधान करेंगे।

टिप्पणी :- संघ सरकार या किसी राज्य सरकार द्वारा या संघ सरकार या किसी राज्य सरकार के स्वामित्व या नियंत्रण में किसी स्थानीय प्राधिकारी या किसी निगम या निकाय द्वारा पदच्युत व्यक्ति सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए पात्र नहीं होंगे। नैतिक अधमता के किसी अपराध के लिए दोष सिद्ध व्यक्ति भी पात्र नहीं होंगे।

माहिक प्राप्ति

- 12- सेवा में किसी पद पर नियुक्ति के लिए ऐसा पुरुष अभ्यर्थी पात्र नहीं होगा, जिसकी एक से अधिक पत्नियाँ जीवित हों या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र नहीं होगी, जिसने ऐसे पुरुष से विवाह किया हो, जिसकी पहले से एक पत्नी जीवित हो या ऐसी महिला अभ्यर्थी पात्र नहीं होगी जिसके एक से अधिक पति जीवित हों ;

परन्तु राज्यपाल किसी व्यक्ति को इस नियम के प्रवर्तन से छूट दे सकते हैं, यदि उनका समाधान हो जाये कि ऐसा करने के लिए विशेष कारण विद्यमान हैं।

शारीरिक स्वस्थता

- 13- किसी अभ्यर्थी को सेवा में किसी पद पर तब तक नियुक्त नहीं किया जायेगा जब तक कि मानसिक और शारीरिक दृष्टि से उसका स्वास्थ्य अच्छा न हो और वह किसी ऐसे शारीरिक दोष से मुक्त न हो जिससे उसे अपने कर्तव्यों का दक्षतापूर्वक पालन करने में बाधा पड़ने की सम्भावना हो। किसी अभ्यर्थी को नियुक्ति के लिये अन्तिम रूप से अनुमोदित किये जाने के पूर्व उससे यह अपेक्षा की जायेगी कि वह मूल नियम 10 के अधीन बनाये गये वित्तीय हस्तगुस्तिका खण्ड- 2, भाग- 3 के अध्याय 3 में दिये गये नियमों के अनुसार स्वस्थता प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करे।

परन्तु पदोन्नति द्वारा भर्ती किये गये अभ्यर्थी से स्वस्थता प्रमाण-पत्र की अपेक्षा नहीं की जायेगी।

भाग पांच – भर्ती की प्रक्रिया

रिक्तियों की
अवधारणा

- 14- नियुक्ति प्राधिकारी वर्ष के दौरान विभिन्न श्रेणियों के पदों पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जन जातियों और अन्य श्रेणियों के अभ्यर्थियों के लिए आरक्षित की जाने वाली रिक्तियों की संख्या, संगत सेवा नियमावली के अनुसार, अवधारित करेगा। यदि चयन समिति का अध्यक्ष नियुक्ति प्राधिकारी से भिन्न कोई अधिकारी है तो नियुक्ति प्राधिकारी चयन समिति के अध्यक्ष को रिक्तियों की सूचना देगा।

सीधी भर्ती की
प्रक्रिया

- 15- (1) नियुक्ति प्राधिकारी, निम्नलिखित रीति से, सीधी भर्ती के लिए आवेदन-पत्र और रिक्तियाँ अधिसूचित करेगा :-
(एक) ऐसे दैनिक समाचार-पत्रों में जिसका व्यापक परिचालन हो, विज्ञापन जारी करके;
(दो) कार्यालय के सूचना पट्ट पर सूचना चस्पा करके या रेडियो/दूरदर्शन और अन्य रोजगार-पत्र के माध्यम से विज्ञापन करके ; और
(तीन) रोजगार कार्यालय को रिक्तियाँ अधिसूचित करके।

- (2) (एक) चयन के लिए 100 अंकों की एक लिखित परीक्षा होगी। श्रद्धांशुदा कर्मचारियों को सेवा में प्रत्येक एक पूर्ण वर्ष के लिए 5 अंक व अधिकतम 15 अंक दिये जायेंगे।

प्रवीणता सूची लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों व अन्य मूल्यांकनों के योग के आधार पर तैयार की जायेगी।

(दो) (क) लिखित परीक्षा 100 अंकों की वस्तुनिष्ठ प्रकार की होगी, जिसमें सामान्य हिन्दी, सामान्य ज्ञान और सामान्य अध्ययन यथास्थिति तकनीकी विषय का एक प्रश्न पत्र होगा। प्रश्न पत्र मूल्यांकन में प्रत्येक सही उत्तर का एक अंक व प्रत्येक गलत उत्तर हेतु 1/4 ऋणात्मक अंक दिया जायेगा।

(ख) लिखित परीक्षा की प्रश्न बुकलेट, परीक्षा के पश्चात अभ्यर्थियों को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(ग) लिखित परीक्षा की उत्तर शीट (Answer Sheet) कार्बन प्रति के साथ डुप्लीकेट में होगी तथा डुप्लीकेट प्रति अभ्यर्थी को अपने साथ ले जाने की अनुमति दी जायेगी।

(घ) लिखित परीक्षा के पश्चात लिखित परीक्षा की उत्तरमाला (Answer Key) को उत्तराखण्ड की बैबसाईट www.ua.nic.in या दैनिक समाचार पत्र में जिसका व्यापक परिचालन है, पर प्रकाशित किया जायेगा।

(ङ.) किसी ऐसे पद पर, जिसके लिये तकनीकी ज्ञान अनिवार्य अर्हता के रूप में विहित हो, चयन किये जाने वाले अभ्यर्थियों की दशा में यथा स्थिति तकनीकी परीक्षा ली जायेगी। यह परीक्षा 50 अंकों की होगी, तकनीकी परीक्षा के लिये बुलाये जाने वाले अभ्यर्थियों की संख्या रिक्तियों की संख्या की चार गुना होगी।

(3) लिखित परीक्षा के प्राप्तांकों और अन्य मूल्यांकनों जिसमें छटनीशुदा कर्मचारियों हेतु अधिमान अंकों का जोड़ होगा, के अंकों के कुल योग से जैसा प्रकट हो, प्रवीणता सूची (अंतिम चयन सूची) तैयार की जायेगी। यदि दो या अधिक अभ्यर्थी कुल योग के बराबर अंक प्राप्त करें तो लिखित परीक्षा में उच्चतर अंक प्राप्त करने वाले अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रखा जायेगा। यदि लिखित परीक्षा में भी दो या अधिक अभ्यर्थी ने बराबर-बराबर अंक प्राप्त किये हों तो आयु में ज्येष्ठ अभ्यर्थी को चयन सूची में ऊपर रख जायेगा। सूची में नामों की संख्या रिक्तियों की संख्या से अधिक (किन्तु 25 प्रतिशत से अनधिक) होगी।

चयन समिति का
गठन

16—

(1) सीधी भर्ती एक चयन समिति के माध्यम से की जायेगी, जिसमें निम्नलिखित होंगे :

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी

अध्यक्ष

(दो) अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का कोई अधिकारी, यदि अध्यक्ष अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों का न हो। यदि अध्यक्ष अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों का हो तो अध्यक्ष द्वारा अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों या अन्य पिछड़े वर्गों से भिन्न कोई अधिकारी नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।

सदस्य

(तीन) अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट अन्य पिछड़े वर्गों का कोई अधिकारी, यदि अध्यक्ष अन्य पिछड़े वर्गों का न हो। यदि अध्यक्ष अन्य पिछड़े वर्गों का हो तो अध्यक्ष द्वारा अन्य पिछड़े

सदस्य

वर्गों या अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों से भिन्न कोई अधिकारी नाम निर्दिष्ट किया जायेगा।

(चार) भर्ती किये जाने वाले पद की अपेक्षाओं के अनुसार सम्बन्धित क्षेत्र में पर्याप्त ज्ञान रखने वाले एक अधिकारी को अध्यक्ष द्वारा नाम निर्दिष्ट किया जायेगा। सदस्य

(पांच) सम्बन्धित जिले के जिला मजिस्ट्रेट द्वारा नाम निर्दिष्ट एक अधिकारी। सदस्य

फीस 17- चयन के लिए अभ्यर्थियों से चयन समिति को ऐसी फीस देने की अपेक्षा की जायेगी जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय। फीस की वापसी के लिए कोई दावा स्वीकार नहीं किया जायेगा।

अभ्यर्थियों द्वारा
प्राप्त अंक, सही
उत्तरों का प्रदर्शन
एवं प्रकाशन

18- (1) जब चयन प्रक्रिया पूरी हो जाय और चयन सूची नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित कर दी जाय तो चयनित अभ्यर्थी द्वारा चयन परीक्षा में प्राप्त किये गये अंक व तकनीकी परीक्षा में प्राप्त अंकों का कुल योग व्यापक परिचालन वाले दैनिक समाचार-पत्र में प्रकाशित किया जायेगा तथा उत्तराखण्ड की वेबसाइट पर, जनपद के जिला कार्यालय और सम्बन्धित कार्यालय के सूचना पट पर प्रदर्शित किया जायेगा।

(2) सभी अभ्यर्थियों द्वारा प्राप्त कुल अंक (लिखित परीक्षा, छंटनीशुदा कर्मचारी के अंकों को तथा यथास्थिति तकनीकी परीक्षा के अंकों को वर्गीकृत करते हुए) अधिकतम अंक के साथ अवरोही क्रम में (**Descending Order**) उत्तराखण्ड की वेबसाइट www.ua.nic.in पर प्रदर्शित किये जायेंगे।

अभ्यर्थियों द्वारा
अभिलेखों का
निरीक्षण

19- अभ्यर्थियों की ऐसी फीस का, जो सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित की जाय, भुगतान करने पर भाग-5 के अनुसार चयन समिति द्वारा अपनायी गयी चयन प्रक्रिया से सम्बन्धित अभिलेखों और उसमें दिये गये अंकों का निरीक्षण करने की अनुमति दी जायेगी। यदि कोई अभ्यर्थी ऐसी इच्छा व्यक्त करे तो उसे दो रुपये प्रति पृष्ठ की दर से फीस का भुगतान करने पर ऐसे अभिलेखों की फोटो प्रतियां भी दी जायेंगी।

पदोन्नति द्वारा भर्ती
की प्रक्रिया

20- (1) सेवा में विभिन्न पदों पर पदोन्नति द्वारा भर्ती, निम्नानुसार, चयन समिति के माध्यम से, अनुपयुक्तों को अस्वीकार करते हुए, ज्येष्ठता के आधार पर की जायेगी :

(एक) नियुक्ति प्राधिकारी अध्यक्ष

(दो) संयुक्त निदेशक/उपनिदेशक सदस्य
में से, निदेशक उद्योग द्वारा नामित
एक अधिकारी

(तीन) निदेशक उद्योग द्वारा नामित सदस्य
अनुसूचित जाति/जनजाति का
अधिकारी



(2) नियुक्ति प्राधिकारी ज्येष्ठता के क्रम में अभ्यर्थियों की पात्रता सूची तैयार करेगा और उसे अभ्यर्थियों की चरित्र पंजियों और उनसे सम्बन्धित ऐसे अन्य अभिलेखों के साथ, जो उचित समझे जायें, चयन समिति के समक्ष रखेगा ;

परन्तु इस उप नियम के अधीन पात्रता सूचियाँ तैयार करते समय, जहाँ दो भिन्न पोषक संवर्ग हों, वहाँ -

(क) भिन्न-भिन्न वेतनमानों की स्थिति में उच्चतर वेतनमान वाले संवर्ग के अभ्यर्थियों को पात्रता सूची में उच्चतर स्थान पर रखा जायेगा ;

(ख) समान वेतनमानों की स्थिति में, अभ्यर्थियों के नाम उनके अपने-अपने संवर्ग में उनकी मौलिक नियुक्ति के दिनांक के क्रम में पात्रता सूची में रखे जायेंगे।

(3) चयन समिति, उपनियम-2 में निर्दिष्ट अभिलेखों के आधार पर, अभ्यर्थियों के मामलों पर विचार करेगी और यदि वह आवश्यक समझे तो अभ्यर्थियों का साक्षात्कार भी कर सकती है।

(4) चयन समिति चयन किये गये अभ्यर्थियों की, ज्येष्ठता के क्रम में, एक सूची तैयार करेगी और उसे नियुक्ति प्राधिकारी को अग्रसारित करेगी।

संयुक्त चयन सूची 21- यदि किसी वर्ष में नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जानी हो, तो एक संयुक्त चयन सूची तैयार की जायेगी जिसमें, अभ्यर्थियों के नाम संगत सूचियों से इस प्रकार से लिये जायेंगे कि विहित प्रतिशत बना रहे। सूची में पहला नाम पदोन्नति द्वारा नियुक्त व्यक्ति का होगा।

भाग छ: नियुक्ति, परीक्षा, स्थायीकरण और ज्येष्ठता

- नियुक्ति प्राधिकारी
- 22- सेवा में विभिन्न श्रेणियों के पदों के सम्बन्ध में नियुक्ति प्राधिकारी, परिशिष्ट "क" के स्तम्भ 10 में प्रत्येक पद के सामने उल्लिखित है।
- नियुक्ति
- 23- (1) मौलिक रिक्तियाँ होने पर नियुक्ति प्राधिकारी, अभ्यर्थियों की उस क्रम में, जिसमें उनके नाम, यथास्थिति, नियम 15, 20 या 21, (जैसी स्थिति हो), के अधीन तैयार की गयी सूची में हो, नियुक्तियाँ करेगा।
- (2) जहाँ भर्ती के किसी वर्ष में नियुक्तियाँ सीधी भर्ती और पदोन्नति दोनों प्रकार से की जानी हों, वहाँ नियमित नियुक्तियाँ तब तक नहीं की जायेंगी जब तक दोनों श्रोतों से चयन न कर लिया जाय और नियम 21 के अनुसार एक संयुक्त सूची तैयार न कर ली जाय।
- (3) नियुक्ति प्राधिकारी अस्थायी और स्थानापन्न रिक्तियों में भी, उपनियम (1) में निर्दिष्ट सूचियों में से नियुक्तियाँ कर सकता है। यदि इन सूचियों का कोई अभ्यर्थी उपलब्ध न हो तो वह इस नियमावली के अधीन नियुक्ति के लिये पात्र व्यक्तियों में से, ऐसी रिक्तियों में, नियुक्ति कर सकता है। ऐसी नियुक्ति एक वर्ष से अनाधिक अवधि के लिये, या इस

नियमावली के अधीन आगमी चयन किये जाने तक के लिये, इनमें से जो भी पहले हों, की जायेगी।

(4) यदि किसी एक चयन के सम्बन्ध में एक से अधिक नियुक्ति के आदेश जारी किये जायं तो एक संयुक्त आदेश भी जारी किया जायेगा जिसमें व्यक्तियों के नाम का उल्लेख यथा स्थिति चयन में यथा अवधारित या जैसा कि उस संवर्ग में से जिससे उन्हें पदोन्नत किया गया है, ज्येष्ठता क्रम में किया जायेगा।

परिवीक्षा

24— (1) सेवा में किसी स्थायी नियुक्ति में या उसके प्रति मौलिक रूप से नियुक्त किये जाने पर, प्रत्येक व्यक्ति को दो वर्ष की अवधि के लिये परिवीक्षा पर रखा जायेगा।

(2) नियुक्ति प्राधिकारी ऐसे कारणों से, जो अभिलिखित किये जायेंगे, अलग-अलग मामलों में परिवीक्षा अवधि बढ़ा सकता है, जिसमें ऐसा दिनांक विनिर्दिष्ट किया जायेगा, जब तक कि अवधि बढ़ायी न जाये ;

परन्तु अपवादिक परिस्थितियों के सिवाय, परिवीक्षा अवधि एक वर्ष से अधिक, किन्तु किसी भी दशा में दो वर्ष से अधिक नहीं बढ़ायी जायेगी।

(3) यदि परिवीक्षा अवधि या बढ़ायी गयी परिवीक्षा अवधि के दौरान किसी भी समय या उसके अन्त में नियुक्ति प्राधिकारी को यह प्रतीत हो कि परिवाक्षाधीन व्यक्ति ने अपने अवसरों का पर्याप्त उपयोग नहीं किया है या संतोष प्रदान करने में अन्यथा विफल रहा है तो उसे उसके मौलिक पद पर, यदि कोई हो, प्रत्यावर्तित किया जा सकता है और यदि किसी पद पर धारणाधिकार न हो तो उसकी सेवायें समाप्त की जा सकती हैं।

(4) ऐसा परिवीक्षाधीन व्यक्ति, जिसे उपनियम (3) के अधीन प्रत्यावर्तित किया जाय या जिसकी सेवायें समाप्त की जायं, किसी प्रतिकर का हकदार नहीं होगा।

(5) नियुक्ति प्राधिकारी, संवर्ग में सम्मिलित किसी पद पर या किसी अन्य समकक्ष या उच्च पद पर, स्थानापन्न या अस्थायी रूप से की गयी निरन्तर सेवा की अवधि को, परिवीक्षा अवधि की संगणना करने के प्रयोजन के लिये गणना करने की अनुमति दे सकता है।

स्थाईकरण

25— किसी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को परिवीक्षा अवधि या बढ़ाई गयी परिवीक्षा अवधि के अन्त में, उसके नियुक्ति में, स्थायीकरण, "उत्तराखण्ड राज्य के सरकारी सेवकों की स्थायीकरण नियमावली, 2002" अथवा तत्समय प्रवृत्त नियमों के अन्तर्गत किया जायेगा।

ज्येष्ठता

26— किसी श्रेणी के पद पर व्यक्तियों की परस्पर ज्येष्ठता का निर्धारण, अपर निदेशक उद्योग द्वारा "उत्तराखण्ड सरकारी सेवा ज्येष्ठता निमावली, 2002" अथवा तत्समय प्रवृत्त नियमों के अन्तर्गत किया जायेगा।

भाग सात — वेतन इत्यादि

वेतनमान

27— (1) सेवा के संवर्ग में सम्मिलित विभिन्न श्रेणियों के पदों पर मौलिक या स्थानापन्न रूप में या अस्थायी आधार पर नियुक्त व्यक्तियों को ऐसे वेतन एवं भत्ते देय होंगे, जैसा राज्य सरकार द्वारा समय-समय पर अवधारित किया जाय।

(2) इस नियमावली के प्रारम्भ के समय प्रवृत्त वेतनमान परिशिष्ट "क" के स्तम्भ 4 में प्रत्येक पद के सामने उल्लिखित हैं।

परिवीक्षा अवधि में वेतन

28—

(1) मूल नियमों में किसी प्रतिकूल उपबन्ध के होते हुए भी परिवीक्षाधीन व्यक्ति को, यदि वह पहले से स्थायी सरकारी सेवा में न हो, उसके उस वेतनमान में अगली वेतन वृद्धि तभी दी जायेगी जब उसने एक वर्ष की संतोषजनक सेवा पूरी कर ली हो, और द्वितीय वेतनवृद्धि दो वर्ष की सेवा के पश्चात् तभी दी जायेगी, जब उसने परिवीक्षा अवधि पूरी कर ली हो और उसे स्थायी भी कर दिया गया हो ;

परन्तु यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाय तो इस प्रकार बढ़ायी गई अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिए तब तक नहीं की जायेगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें।

(2) ऐसे व्यक्ति का, जो पहले से सरकार के अधीन कोई पद धारण कर रहा हो, परिवीक्षा अवधि में वेतन, सुसंगत मूल नियमों द्वारा विनियमित होगा ;

परन्तु यदि संतोष प्रदान न कर सकने के कारण परिवीक्षा अवधि बढ़ाई जाय तो इस प्रकार बढ़ायी गई अवधि की गणना वेतनवृद्धि के लिए तब तक नहीं की जायेगी जब तक कि नियुक्ति प्राधिकारी अन्यथा निर्देश न दें।

(3) ऐसे व्यक्ति का, जो पहले से स्थायी सरकारी सेवा में हो, परिवीक्षा अवधि में वेतन, राज्य के कार्य-कलाप के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू सुसंगत नियमों द्वारा विनियमित होगा।

भाग आठ — अन्य उपबन्ध

पक्ष समर्थन

29—

किसी पद या सेवा पर लागू नियमों के अधीन अपेक्षित सिफारिश से भिन्न किसी सिफारिश पर, चाहे लिखित हो या मौखिक, विचार नहीं किया जायेगा। अभ्यर्थी की ओर से अपनी अभ्यर्थिता के लिए प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से समर्थन प्राप्त करने का कोई प्रयास उसे नियुक्ति के लिए अनर्ह कर देगा।

अन्य विषयों का विनियमन

30—

ऐसे विषयों के सम्बन्ध में, जो विनिर्दिष्ट रूप से इस नियमावली या विशेष आदेशों के अन्तर्गत न आते हों, सेवा में नियुक्त व्यक्ति, राज्य के कार्यकलाप के सम्बन्ध में सेवारत सरकारी सेवकों पर सामान्यतया लागू नियमों, विनियमों और आदेशों के द्वारा नियन्त्रित होंगे।

सेवा की शर्तों में शिथिलता

31—

यदि राज्य सरकार का यह समाधान हो जाये कि सेवा में नियुक्त व्यक्तियों की सेवा शर्तों को विनियमित करने वाले किसी नियम के प्रवर्तन से किसी विशिष्ट मामले में अनुचित कठिनाई होती है, तो वह उस मामले में लागू नियमों में किसी बात के होते हुए भी, आदेश द्वारा, उस नियम की अपेक्षाओं को उस सीमा तक और ऐसी शर्तों के अधीन रहते हुए, जिन्हें वह मामले में न्याय संगत और साम्यपूर्ण रीति से कार्यवाही करने के लिये आवश्यक समझे, अभिमुक्त या शिथिल कर सकती है।

- स्थानान्तरण 32- सेवा में प्रत्येक श्रेणी के पदाधिकारियों को नियुक्ति प्राधिकारी/निदेशक उद्योग द्वारा, समय-समय पर जारी किये गये सरकारी आदेशों के अनुसार, स्थानान्तरित किया जा सकता है।
- व्यावृत्ति 33- इस नियमावली में किसी बात का कोई प्रभाव ऐसे आरक्षण और अन्य रियायतों पर नहीं पड़ेगा, जिनका इस सम्बन्ध में सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किये गये आदेशों के अनुसार, अनुसूचित जातियों, अनुसूचित जनजातियों और अन्य विशेष श्रेणियों के व्यक्तियों के लिये उपबन्ध किया जाना अपेक्षित हो।

(पी०सी०शर्मा)
प्रमुख सचिव।

पृष्ठांकन संख्या : 1175(1)/02/473-उद्योग/2002 तद्दिनांकित

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. सचिव, श्री राज्यपाल, उत्तराखण्ड शासन।
2. प्रमुख सचिव-मा० मुख्यमंत्री जी, उत्तराखण्ड शासन।
3. निजी सचिव-मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
4. निजी सचिव-अपर मुख्य सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
5. समस्त प्रमुख सचिव/सचिव, उत्तराखण्ड शासन।
6. आयुक्त, गढ़वाल मण्डल/कुमायूँ मण्डल।
7. महालेखाकार, उत्तराखण्ड।
8. निदेशक, उद्योग, उद्योग निदेशालय उत्तराखण्ड, देहरादून।
9. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड।
10. प्रबन्ध निदेशक, सिडकुल।
11. वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड, देहरादून।
12. समस्त महाप्रबन्धक, जिला उद्योग केन्द्र, उत्तराखण्ड।
- ✓ 13. निदेशक, एन०आई०सी०, सचिवालय परिसर, देहरादून।
14. संयुक्त निदेशक, राजकीय मुद्रणालय, रुड़की को इस आशय से प्रेषित कि वे अधिसूचना को साधारण गजट में प्रकाशित करते हुए 50 प्रतियां शासन को उपलब्ध कराने का कष्ट करें।
15. गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(पी०सी०शर्मा)
प्रमुख सचिव

(नियम 3(क), 4(2), 5, 8, 22 एवं 27(2) देखिए)

क्र० सं०	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / गैरतकनीकी	वेतनमान (रुमरों में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
1.	सांख्यिकीय सहायक जिसमें निम्न लिखित पद सम्मिलित होंगे - (1) सांख्यिकीय अनुसंधानकर्ता (2) सांख्यिकीय सहायक	गैरतकनीकी	5500-175-9000	1 13	-	1 13	अनुवेषक-सह-संगणक वेतनमान रु० 5000-8000 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, उन्हें से पदोन्नति द्वारा।	लिखित द्वारा स्थापित किसी विश्व विद्यालय से रनराक उपधि, जिसमें गणित या सांख्यिकीय या गणितीय सांख्यिकीय एक विषय रहा हो या अभ्यशास्त्र विषय में सांख्यिकीय सहित रनराकलेतर उपधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई उपधि।	अगर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-
2.	(1) सहायक प्रबन्धक उद्योग (2) सहायक विकास अधिकारी (प्रथम)	गैरतकनीकी	5000-150-8000	44 13	-	44 13	(1) 50 प्रतिशत पद मयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 15 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक सहायक विकास अधिकारी (द्वितीय) वेतनमान रु० 4500-7000 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, उन्हें से पदोन्नति द्वारा। (3) 20 प्रतिशत पद, निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक, उत्तराखण्ड उद्योग विभाग लिपिक संवर्ग के मुख्य सहायक वेतनमान रु० 4500-7000 पद पर स्थाई रूप से नियुक्त व्यक्तियों तथा 15 प्रतिशत पद, निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक, आशुलिपिक वेतनमान 4000-6000 पद पर	विधि द्वारा स्थापित किसी विश्व विद्यालय से रनराक उपधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई उपधि	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

क्र० सं०	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / गैरतकनीकी	वेतनमान (रुमयों में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
							स्थाई रूप से नियुक्त व्यक्तियों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को लिपिक संवर्ग में न्यूनतम 5 वर्ष की निधमित सेवा पूर्ण कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा।			
3.	अन्वेषक-सह-संगणक	गैरतकनीकी	5000-150-8000	19	-	19	(1) 50 प्रतिशत पद चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 15 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक सहायक विकास अधिकारी (द्वितीय) वेतनमान रु० 4500-7000 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। (3) 15 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक औद्योगिक सहकारी पर्यवेक्षक वेतनमान रु० 3200-4900 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त व्यक्तियों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। (4) 20 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक, उत्तराखण्ड उद्योग विभाग लिपिक संवर्ग में स्थाई रूप से नियुक्त पद धारक, जिनके पद के साधारण वेतनमान रु० 4500-7000/4000-6000 हों तथा जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को लिपिक संवर्ग में 10 वर्ष की निधमित सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा।	विधि द्वारा स्थापित किसी विश्व विद्यालय से स्नातक उपाधि, जिसमें गणित या सांख्यिकीय या गणितीय सांख्यिकीय एक विषय रहा हो या अर्थशास्त्र विषय में सांख्यिकीय सहित स्नातकोत्तर उपाधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई उपाधि।	अपर निदेशक उद्योग	-
4.	सहायक विकास अधिकारी (द्वितीय)	गैरतकनीकी	4500-125-7000	13	-	13	(1) 50 प्रतिशत पद चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 30 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यताधारक औद्योगिक सहकारी पर्यवेक्षक वेतनमान रु० 3200-4900 के पदों पर	सहायक विकास अधिकारी (द्वितीय) के पद हेतु विश्व विद्यालय से स्नातक उपाधि या	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

क्र० सं०	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / गैरतकनीकी	वेतनमान (रुमर्यो में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
							भौतिक रूप से नियुक्त कार्मिक, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। (3) 20 प्रतिशत पद निर्धारित शैक्षिक योग्यता धारक, उत्तराखण्ड उद्योग विभाग लिपिक स्तर में स्थाई रूप से नियुक्त पद धारक, जिनके पद के वेतनमान रु० 4000-6000 हो तथा जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को लिपिक स्तर में 8 वर्ष की नियमित सेवा पूर्ण कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा।	सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई उपाधि।		
5.	औद्योगिक सहकारी पर्यवेक्षक	गैरतकनीकी	3200-85-4900	15	-	15	चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1-विधि द्वारा स्थापित किसी विश्व विद्यालय से स्नातक उपाधि या सरकार द्वारा उसके समकक्ष मान्यता प्राप्त कोई उपाधि। 2-सहकारिता में न्यूनतम छ-माह का प्रशिक्षण।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
6.	(1)फैरमैन (प्रसार योजना) (2) आफ्रीसर इंचार्ज (पावडी योजना)	तकनीकी	5000-150-8000	02	-	02	(1) 50 प्रतिशत चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत अधीक्षक उत्पादन वेतनमान रु० 4500-7250 के पद पर भौतिक रूप से नियुक्त कार्मिक, जिसने भर्ती के वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। किन्तु प्रतिलिख यह होगा कि पदोन्नति हेतु कार्मिक सम्बन्धित पद के लिये निर्धारित न्यूनतम तकनीकी/	प्रत्येक पद की अपेक्षा अनुसार अर्थात् यांत्रिक, विद्युत, काट शिल्प में विधि द्वारा स्थापित किसी राजकीय प्रशिक्षण संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

क्र० सं०	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / गैरतकनीकी	वेतनमान (रुमरॉ में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
							व्यवसायिक अर्हता अथवा पद के अनुरूप कार्य का न्यूनतम 5 वर्षों का विभागीय अनुभव रखता हो।			
7.	अधीक्षक उत्पादन (पापड़ी योजना)	तकनीकी	4500-125-7250	01	-	01	वरिष्ठ प्रशिक्षक / डिजायनर / जूटोकाफ्टर्स मैन वेतनमान रु० 4500-7000 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त कार्मिक, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। किन्तु प्रतिवध यह होगा कि पदोन्नति हेतु कार्मिक सम्बन्धित पद के लिये निर्धारित न्यूनतम तकनीकी / व्यवसायिक अर्हता अथवा पद के अनुरूप कार्य का न्यूनतम 5 वर्षों का विभागीय अनुभव रखता हो।	-	अपर निदेशक उद्योग उत्पादखण्ड	-
8.	(1) सहायक प्रबन्धक (औद्योगिक आस्थान) (2) वरिष्ठ प्रशिक्षक (3) डिजायनर (4) जूटो काफ्टर्स मैन	तकनीकी	4500-125-7000	04	-	04	(1) 50 प्रतिशत पद वयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत पद प्रशिक्षक सिलाई/पातिस अनुदेशक वेतनमान रु० 3200-4900 के पदों पर मौलिक रूप से नियुक्त कार्मिकों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। किन्तु प्रतिवध यह होगा कि पदोन्नति हेतु कार्मिक सम्बन्धित पद के लिये निर्धारित न्यूनतम तकनीकी / व्यवसायिक अर्हता अथवा पद के अनुरूप कार्य का न्यूनतम 5 वर्षों का विभागीय अनुभव रखता हो।	प्रत्येक पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ट्रेड में विधि द्वारा स्थापित किसी राजकीय प्रशिक्षण संस्थान से डिप्लोमा या समकक्ष।	अपर निदेशक उद्योग उत्पादखण्ड	-
9.	(1) प्रशिक्षक सिलाई (2) पातिस अनुदेशक	तकनीकी	3200-85-4900	-	01	01	(1) 50 प्रतिशत पद वयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा। (2) 50 प्रतिशत पद कनिष्ठ शिक्षक सिलाई/मास्टर काफ्टर्मैन / मशीन इंचार्ज वेतनमान रु० 3050-4590 के पदों पर	प्रत्येक पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ट्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-

क्र० सं०	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / मैरतकनीकी	वेतनमान (रुमयों में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
							मौलिक रूप से नियुक्त कार्मिकों, जिन्होंने भर्ती वर्ष के प्रथम दिवस को इस रूप में पांच वर्ष की सेवा पूरी कर ली हो, में से पदोन्नति द्वारा। किन्तु प्रतिवर्ष यह होगा कि पदोन्नति हेतु कार्मिक सम्बन्धित पद के लिये नियुक्ति न्यूनतम तकनीकी / व्यवसायिक अर्हता अथवा पद के अनुक्रम कार्य का न्यूनतम 5 वर्षों का विभागीय अनुभव रखता हो।	प्रशिक्षण संस्थान से प्रमाण-पत्र या समकक्ष।		
10.	(1) कनिष्ठ शिक्षक सिलाई (2) मास्टर काफ्ट्स मैन (3) मशीन इंचार्ज	तकनीकी	3050-75-3950-80-4590	-	02 04 04	02 04 04	चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	प्रत्येक पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ट्रेड में गान्यता प्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान से प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
11.	आर्ट डिजाईनर	तकनीकी	5000-150-8000	01	-	01	चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य शैक्षिक / प्राथमिक योग्यता- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से व्यवसायिक या तालित कला या टेक्सटाईल डिजाईनिंग में डिग्री अथवा डिप्लोमा। 2- अधिमानी- 1- कम्प्यूटर एप्लेड डिजाईनिंग (CAD) का कार्य अनुभव। 2- टेक्सटाईल डिजाईनिंग में एक	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

क0 सं0	पदनाम	पद का स्वरूप तकनीकी / गैरतकनीकी	वेतनमान (रुमरों में)	पदों की संख्या			भर्ती का श्रोत	शैक्षिक अर्हता / अनुभव	नियुक्ति प्राधिकारी	अभ्युक्ति
				स्थाई	अस्थाई	योग				
1.	2.	3.	4.	5.	6.	7.	8.	9.	10.	11.
								वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।		
12.	डिजाइन आर्टिस्ट	तकनीकी	5000-150-8000	01	-	01	चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य शैक्षिक/प्राविधिक योग्यता:- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से व्यवसायिक या ललित कला या टेकस्टाईल डिजाईनिंग में डिग्री अथवा डिप्लोमा। 2- अधिमान- 1- कम्प्यूटर एड्रेड डिजाईनिंग (CAD)का कार्य अनुभव। 2- टैकटाईल डिजाईनिंग में एक वर्ष का व्यवहारिक अनुभव।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-
13.	डाईंग अधीक्षक	तकनीकी	4500-125-7000	01	-	01	गौलिक रूप से नियुक्त सीनियर इंस्ट्रक्टर/मास्टर स्क्रीन प्रिंटिंग/रंगाई शिक्षक/रंगाई बुनाई गाईड वेतनमान रु0 4000-8000, जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो मे से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपर्युक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वस्त्र प्राथमिकी या बुनाई प्राथमिकी या हेथकरवा प्राथमिकी में डिप्लोमा या समकक्ष। 2- अधिमान- समकक्ष क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

14.	मास्टर ज्ञापर	तकनीकी	4500-125-7000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त सीनियर इंस्ट्रक्टर/ मास्टर स्क्रीन प्रिन्टिंग / रंगई शिक्षक / रंगई बुनाई गाईड / ज्ञापर, वेतनमान रु0 4000-6000. जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वरत्र प्राथमिकी या बुनाई प्राथमिकी या हथकरघा प्राथमिकी में हिल्लोना या समकक्ष। 2- अधिमानी- सम्बन्धित क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-
15.	परीक्षक छापाई	तकनीकी	4500-125-7000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त सीनियर इंस्ट्रक्टर/ मास्टर स्क्रीन प्रिन्टिंग वेतनमान रु0 4000-6000. जिन्होंने इस रूप में 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वरत्र प्राथमिकी या बुनाई प्राथमिकी या हथकरघा प्राथमिकी में हिल्लोना या समकक्ष। 2- अधिमानी- सम्बन्धित क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-
16.	परीक्षक वरत्र	तकनीकी	4500-125-7000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त सीनियर इंस्ट्रक्टर/ मास्टर स्क्रीन प्रिन्टिंग वेतनमान रु0 4000-6000. जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वरत्र प्राथमिकी या बुनाई प्राथमिकी या हथकरघा प्राथमिकी में हिल्लोना या समकक्ष। 2- अधिमानी- सम्बन्धित क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-
17.	मास्टर वीवर	तकनीकी	4500-125-7000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त सीनियर इंस्ट्रक्टर/ मास्टर स्क्रीन प्रिन्टिंग, वेतनमान रु0 4000-6000. जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से	1- अनिवार्य- विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वरत्र प्राथमिकी या	अपर निदेशक उद्योग उत्तराखण्ड	-

							पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	दुनाई प्राद्वीनिकी या हथकरघा प्राद्वीनिकी में शिल्पोमा या समकक्ष। 2- अधिमानी-सम्बन्धित क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	
18.	सीनियर इंस्ट्रक्टर	तकनीकी	4000-100-6000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त कापटसमैन/मशीनिष्ठ/मिस्त्री, वेतनमान रु0 3200-4900, जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	1- अनिवार्य-विधि द्वारा स्थापित संस्थान से वरज प्राद्वीनिकी या दुनाई प्राद्वीनिकी या हथकरघा प्राद्वीनिकी में शिल्पोमा या समकक्ष। 2- अधिमानी-सम्बन्धित क्षेत्र में व्यवहारिक अनुभव।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
19.	मास्टर स्क्रीन प्रिंटिंग	तकनीकी	4000-100-6000	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त कापटसमैन/मशीनिष्ठ/मिस्त्री वेतनमान रु0 3200-4900 जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ड्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अथवा विधि द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान/शिल्पोमा/प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
20.	कापटसमैन	तकनीकी	3200-85-4900	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त व्यूअर, वेतनमान रु0 3050-4590 जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ड्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अथवा विधि द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान/शिल्पोमा/प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
21.	मशीनिष्ठ / मिस्त्री	तकनीकी	3200-85-4900	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त वायरलर मैन, वेतनमान रु0 3050-4590, जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से	पद की अपेक्षा अनुसार सम्बन्धित ड्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक	संयुक्त निदेशक उद्योग	-

							पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	प्रशिक्षण संस्थान अथवा विधि द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	(कार्मिक)	
22.	व्युत्तर	तकनीकी	3050-75-3950-80-4590	02	-	02	मौलिक रूप से नियुक्त राई सहायक, वेतनमान रू० 2750-4400, जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	पद की अवधि अनुसार सम्बंधित ड्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अथवा विधि द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-
23.	व्यापार मैनेजर	तकनीकी	3050-75-3950-80-4590	01	-	01	मौलिक रूप से नियुक्त तकनीकी सहायक, वेतनमान रू० 2750-4400, जिन्होंने इस रूप में कम से कम 5 वर्ष की सेवा पूर्ण कर ली हो में से पदोन्नति द्वारा। परन्तु उपयुक्त पद धारक उपलब्ध न होने की दशा में चयन समिति के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा।	पद की अवधि अनुसार सम्बंधित ड्रेड में मान्यताप्राप्त औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान अथवा विधि द्वारा मान्यता प्राप्त संस्थान से डिप्लोमा/ प्रमाण-पत्र या समकक्ष।	संयुक्त निदेशक उद्योग (कार्मिक)	-

(पी०सी०शमी)
प्रमुख सचिव।